महफ़िल | by Raj Pareek

महफ़िल है श्याम आपकी महफ़िल में आइये ज़रा
पलकें बिछाए बैठे हैं कुछ तो फरमाइए ज़रा

यूँ तो हैं लाखों कलियाँ फिर भी सूना है ये चमन
चरणों में लगा खाटू की मिटटी तो लाइए ज़रा

नादानियों पे मेरी करते हमेशा पर्दा तुम
परदे की हो गई आदत पर्दा हटाइये ज़रा

तोहफे में तुम्हे देते अम्बार आंसुओं भरा
उस पर ये तुमसे कहते हैं अजी मुस्कुराइए ज़रा

घडी इंतज़ार की अब बेसब्र हो रही है
बैठा है राज चरणों में यूँ ना सताइये ज़रा

महफ़िल है श्याम आपकी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%ab%e0%a4%bc%e0%a4%bf%e0%a4%b2-by-raj-pareek/